ASC SANSAR

A MONTH TO REMEMBER!
NOVEMBER 2019

CONTENT

- TEAM PERFORMANCE
- BIRTHDAY CELEBRATION
- NEW JOINEE OF ASC
- FUN GAMES
- ACTIVITIES
- ANNUAL PRESENTATION
- ANNUAL AWARDS (EXCEPTIONAL CONTRIBUTIONS)
- CREATIVE CORNER

TEAM PERFORMANCE

"Finding the authentic voice, becoming vulnerable, and then putting our self out there."

TEAM PERFORMANCE

"Art is the only way to run away without leaving home."

BIRTHDAY CELEBRATION

The tradition continues....
Birthday celebrations, cake-cutting, gifts, dance, songs, and birthday wishes....
The Unified ASCian

Welcome to ASC Family!!!
Recruits in the month of NOVEMBER

More than 13 members joined ASC in the month of November for making difference with their contribution

FUN GAMES

Games give you a chance to excel, and if you're playing in good company you don't even mind if you lose because you had the enjoyment of the company during the course of the game.

ACTIVITIES

Living the moment

ANNUAL PRESENTATION

"Visualizing the self by giving the entire speech as a controlled, confident speaker."

ANNUAL AWARDS 2019
Best Debut

Anuj Kumar

Deepak Verma

Mohit Singhal

Preeti Soni

Shivang Shukla

Vikas Tyagi

ANNUAL AWARDS 2019
Circle of Excellence

Ankit Kainth

Divyanshi Mohan

Mayur C Kundar

Payal Gupta

Radhika Tosniwal

Taniya Agarwal

Vipin Kumar Goyal

Vivek Vinod Mishra

ANNUAL AWARDS 2019

Creative Corner:
Rinku Kumari

Key Contributor:
Ankita Prasad

Key Contributor:
Kanchan

Key Contributor:
Naman Thakur

Ms. Consistent:
Swati Thakur

Spotlight Award
Mahima Tulsian

ANNUAL AWARDS 2019

Spotlight Award
Randhir Kumar Mandal

Star Service
Sameeta Dhan Bahadur K C

Star Service
Sonal Girish Jain

Chief Closer – Best Sale
Shashank Chaturvedi

Awardees
2019

Together
we Grow

CREATIVE CORNER

Nothing Is Everything

I am living my days,
Like there is no tomorrow
For, there isn't one.

The more I live,
More I start to doubt –
What I Believe.

And in Some days, I wonder –
If I have everything, or,
Am I destined to be satisfied;
With Nothing.

Because – I live in the moment,
Nothing is Everything.

Because – I live in the moment,
Nothing is Everything.

By Rupak Gaudel R.
Audit Team
ASC Group
Noida.

CREATIVE CORNER

"सफर अपना“

मिला पथिक था एक सफर में!
रुक कर उसने बात बताया !!
कौन है अपना कौन पराया !
किसने उसका साथ निभाया !!
चला अकेला अपने पथ पर !
कदम कदम पर ठोकर खाया!!
जिसको अपना मानता था वह !
फेरा मुंह उसी ने भाया !!
पता उसे था मंजिल अपनी !
कोई भी उसको रोक ना पाया !!
जला मोम सा अपने सफर में !
जग सारा जगमग कर आया!!
मिली जो मंजिल बात कहे सब !
सब ने इसका साथ निभाया !!
दिखा बुलंदी सबको लेकिन !
छाले पैर का देख ना पाया !!
आखिर प्रश्न यही था उसका !
कौन है अपना कौन पराया !!

By Rajeev Ranjan
ASC Group
Noida.

CREATIVE CORNER

"मौसम-ऐ-ज़िन्दगी"

दौरे मुश्किल से गुजरती जिंदगी !
कभी बनती कभी बिगड़ती जिंदगी !!
कभी बर्फ की तरह जमती और पिघलती जिंदगी !
कभी अंगड़ाइयां ले मचलती जिंदगी !!
कभी ख़ामोश समंदर सी ढलती शाम !
तो कभी सुनामी सी उबलती जिंदगी !!
दौरे मुश्किल से गुजरती जिंदगी !
कभी बनती कभी बिगड़ती जिंदगी !!
कभी चलती राहों को दे रोशनी !
तो कभी अंधेरों से झगड़ती जिंदगी !!
कभी खुशियों से संजोए सवेरा !
तो कभी गमे शाम सी ढलती जिंदगी !!
कभी मंजिलों के करीब जाकर टूट जाए !
तो कभी जज्बातों को लेकर उभरती जिंदगी!!
कभी चले अपने मंजिल की राहों पर !
कभी जज़्बातों से फिसलती जिंदगी !!
दौरे मुश्किल से गुजरती जिंदगी !
कभी बनती कभी बिगड़ती जिंदगी !!

By Rajeev Ranjan
ASC Group
Noida.

CREATIVE CORNER

By Vikrant Sharma
SEIS TEAM
ASC Group
Noida

सोच बदलो दुनिया बदलेगी

एक शक्ति से जन्में हैं हम सब प्राणी
अलग है तो बस-अपनी बोली अपनी वाणी।
बचपन ने सिखाया हम सब आपस में भाई है
फिर जवानी क्यों इसके विपरीत की छवि हमारे
सामने लेकर आई हैं।
बदलेकी भावना क्यों हर तरफ छाई है
क्यों सबको सच की समझ अब तक नहीं आई हैं।
हम सब है एक-बस ये इन्हें कौन बताये
जड़ है एक-बस फ़ैली हैं हर दिशाओं में लताये।
ये लताये ही अगर आपस में लड़ती जायेंगी
जड़ से जुड़ कर फिर ये कब तक रह
पायेंगी।ये जड़ ही तो है वो शक्ति
जिसकी करते ये सब भक्ति।
अब तो आजाओ तुम सब साथ में
अपने पन की लकीर भी हैं हम सब के हाथ में।
हाथ से हाथ मिला कर तो देखो
नफ़रत की भावनाओ को तुम अब फेंको।
मेरी बात तुम एक बार मान कर तो देखो।

CREATIVE CORNER

।।। रावण तुझसे अच्छा ही था।।।

वो लोग पूछते है हम हर साल और हर बार रावण को क्यों जलाते है? तो मैने को देते है जब तक हम उस रावण से ये सीख ना ले की सीता का हरण करने से वह रावण नहीं बना था बल्कि इतने लंबे मुस्कुरा कर जवाब दिया ऐसे इसलिए क्योंकि रावण एक सोच है वो तब तक नहीं मिटेगी जब तक हम अपने मन में बैठे रावण को नहीं मारेगे।

जब तक हम हर लड़की को उतनी इज्जत न दे जितना हम अपनी बहन समय तक उसे अपने पास पवित्र और सुरक्षित रखने से वह रावण बना था।

उसके दस सिर थे फिर भी उसका एक समय में उसका ध्यान आजीवन सीता पर ही रहा तथा बिना सीता की मंजूरी के उसे कभी भी गंदी नजर से नहीं देखा तथा कभी भी उसके साथ कुछ गलत नहीं करा।

और आज के एक सिर वाले व्यक्ति एक साथ दस सीता को हरण करने की सोचते है तथा उनके साथ जबरदस्ती दुष्कर्म करने की कोशिश करते है।

रावण जिस तरह अपनी बहन के लिए भगवान् से लड़ गया और पराई स्त्रि को छुआ तक नहीं वह आज तक जल रहा है और आजकल के जो व्यक्ति दूध पीती बच्ची को नहीं छोड़ते उनको सिर्फ 4-5 साल की सजा या उन्हें कुछ ही समय में बरी कर दिए जाते है।

जाते जाते एक बात बोलना चाहूंगा कि सुनो मेरी बात मेरे पास वक्त बहुत कम हैदराबाद में हुए जैसे कांडो से आज रावण की आंख भी नम है

By Vikrant Sharma SEIS TEAM
ASC Group Noida

Thank you